भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1944

उत्तर देने की तारीख-17/12/2025

शास्त्रीय भाषाओं का संवर्धन

1944 **श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) शास्त्रीय भाषाओं (तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उड़िया) के संवर्धन और प्रसार के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
(ख) छह भाषाओं में से प्रत्येक के लिए दिए गए अनुदान और किये गए व्यय की मात्रा का भाषा-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्थापित शास्त्रीय भाषाओं के व्यावसायिक पीठों की संख्या कितनी-कितनी है;
(घ) क्या सरकार तेलुगु भाषा और साहित्य के संवर्धन के लिए विशेष उपाय करने की मंशा रखती है; और
(ङ) क्या सरकार पाली भाषा को उसकी प्राचीन उत्पत्ति और साहित्यिक विरासत के मद्देनजर शास्त्रीय दर्जा देने का विचार रखती है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) और (ख): सरकार की नीति शास्त्रीय भाषाओं सहित सभी भारतीय भाषाओं के संवर्धन की है। केन्द्रिय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसूरु, शिक्षा मंत्रालय के तहत एक अधीनस्थ कार्यालय है, जो चार शास्त्रीय भाषाओं अर्थात कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उडिया सहित सभी भारतीय भाषाओं के संवर्धन हेतु कार्य करता है। शास्त्रीय तमिल का विकास और संवर्धन केन्द्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी), चेन्नई द्वारा किया जाता है। हाल ही में, भारत सरकार ने पांच नई शास्त्रीय भाषाओं अर्थात असमिया, मराठी, बंगाली, पाली और प्राकृत

की घोषणा की है। आवश्यकता और उपयोग के अनुसार निधियां प्रदान की जाती हैं। निम्नलिखित शास्त्रीय भाषाओं के लिए आवंटित निधियों का विवरण निम्नलिखित है:

वर्ष	आवंटित निधियाँ (रु. लाख में)				
	कन्नड़	तमिल	उड़िया	मलयालम	तेलुगु
2021-22	106.50	1200.00	58.38	63.97	103.15
2022-23	171.75	1200.00	176.75	186.75	171.75
2023-24	154.50	1525.00	138.50	112.50	154.50
2024-25	86.00	1430.00	86.00	86.00	86.00
2025-26	106.50	1697.00	106.50	106.50	106.50

उपर्युक्त के अलावा, भारत सरकार तीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के माध्यम से संस्कृत भाषा को बढ़ावा देती है और उन्हें छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र प्रदान करने और संस्कृत भाषा में शिक्षण और अनुसंधान के लिए निम्नानुसार निधियां प्रदान की जाती हैं।

वर्ष	आवंटित निधियाँ (रु. लाख में)
2021-22	31,730.16
2022-23	47,191.16
2023-24	51,309.35
2024-25	51,274.00
2025-26	53,450.00

(ग) : वर्तमान में किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में शास्त्रीय भाषाओं की कोई व्यवसायिक पीठ नहीं है।

(घ) : सीआईआईएल अपने दक्षिण क्षेत्रीय भाषा केंद्र के माध्यम से तेलुगु भाषा को दूसरी भाषा के रूप में अधिगम हेतु दस महीने का डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। तेलुगु भाषा के संवर्धन हेतु, सीआईआईएल ने भारतीय भाषाओं के भाषाई डेटा कंसोर्टियम (एलडीसी-आईएल), राष्ट्रीय परीक्षा

सेवाएं - I (एनटीएस-I), राष्ट्रीय अनुवाद मिशन (एनटीएम) और भारतवाणी जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं। तेलुगु शास्त्रीय भाषा के संवर्धन हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है।

(ड.) : भारत सरकार ने अक्टूबर, 2024 में पालि भाषा को शास्त्रीय दर्जा प्रदान किया है।

*****